

भारत के महानहिन राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में बुद्धिजीवियों व गरिष्ठ साहित्यकारों की उपस्थिति में विशेष रूप से सम्मानित
भारत के मातृभय प्रधानमंत्री द्वारा विशेष रूप से पुरस्कृत

मयख़ाना

समर्पण

उस सान्नी को
जिराका जाग पीकर
यह देवान कलम
अनायास ही
कानून के पीने पर
गहन
उत्ती है।



लो ! ले आया दो हाथों में
छल-छल करता पैमाना।
जितना चाहो मांगो पी लो
छोड़ो अब यूँ शरमाना।
प्यास बुझाने को जीवन की
इक पैमाना काफी है,
बच्चे, बूढ़े सबकी खातिर
खोल दिया है मयख़ाना।



यूं तो कोई भी आ जाये
सबका सांझा पैमाना।
मिले एक-सी मदिरा सबको
क्या अपना क्या बेगाना।
पर केवल आने जाने में
लुत्फ कहां आ पाता है।
लुत्फ उठाना चाहो तो
अपनाना होगा मयखाना।

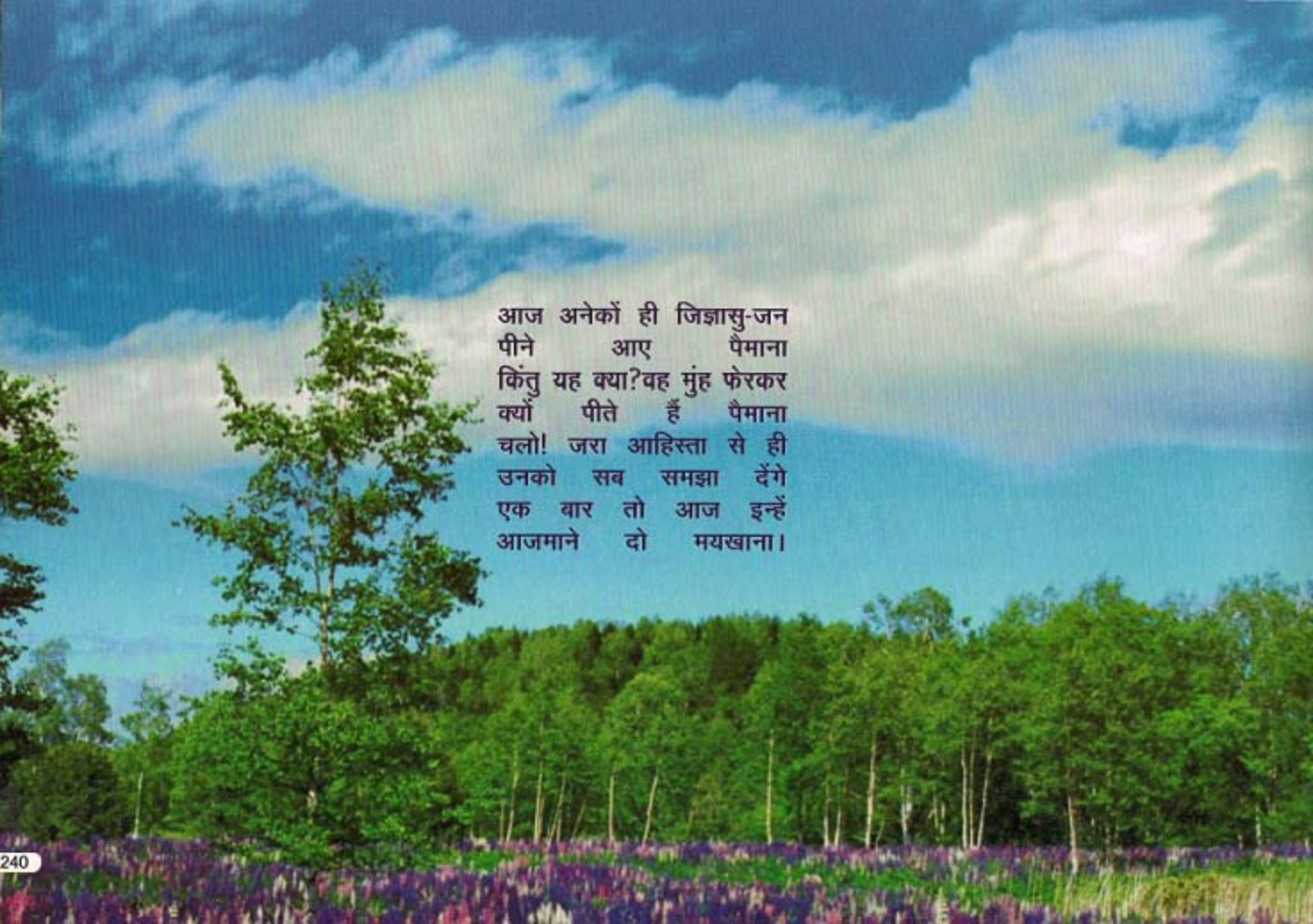
A scenic landscape featuring a calm lake in the foreground, reflecting the sky and the surrounding mountains. The sky is a deep blue, with a bright sun or moon visible on the left side. The mountains are rugged and have a reddish-brown hue, suggesting a volcanic or mineral-rich region. The overall atmosphere is serene and majestic.

मात्र किसी के कहने पर मैं
नहीं बना हूँ दीवाना।
सोच समझकर ही यह मैंने
पाया आकर पैमाना।
जानबूझ कर कोई क्या
अपनी प्रतिज्ञा तोड़ेगा,
कारण ही कुछ ऐसा था जो
अपनाया है मयखाना।



मधुशाला के द्वारा ईश्वर
स्वयं वेचता पैमाना।
इन आचारों उपकारी को,
भूले कैसे दीवाना।
कहो, करें अभिज्ञाया किसकी,
आज छोड़कर मदिनालय?
प्रिये! तुम्हीं बतझो ऐसा
और कहीं है मवखाना?

मिले मुझे प्रत्येक जन्म में
साफ़ी! तेरा पैमाना
जन्म किसी भी रूप में तू, पर
बनूँ हमेशा दीवाना
फिर-फिर जन्म-मरुं मैं लेकिन
संग तुम्हारा ना छूटे
जन्म मरण से छूट गया तो
कहाँ मिलेगा भयखाना।



आज अनेकों ही जिज्ञासु-जन
पीने आए पैमाना
किंतु यह क्या? वह मुंह फेरकर
क्यों पीते हैं पैमाना
चलो! जरा आहिस्ता से ही
उनको सब समझा देंगे
एक बार तो आज इन्हें
आजमाने दो मयखाना।

मन मधुवन से चुन-चुन कलियाँ
आज बनाया पैमाना ।
रचूँ सुनहले सुन्दर सपने
रातों को मैं दीवाना ।
अरमानों की चिता जलाई
त्याग किया जाने कितना,
नींद मेंवाई आंखों की, तब
लिखा गया यह मयखाना ।



कागज को सीने ला मैंने
आज समेटा पैमाना।
ढूँढ-ढूँढ शब्दों की मदिरा
सेवन करता दीवाना।
शुद्ध-अशुद्ध कलुषित भाषा ही
साकी है मदिरालय की,
विश्व समर्पित करता तुमको,
काव्य रचना मयखाना।